नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन

बरेली, 6 फरवरी, 2019। आज नराकास की वर्ष 2018-19 की द्वितीय छमाही बैठक भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर के पुस्तकालय भवन सभागार में आयोजित की गयी जिसमें बरेली नगर में स्थित भारत सरकार के केन्द्रीय कार्यालयों के विभिन्न विभागों/कार्यालयों, उपक्रमों आदि के विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्षांे सहित राजभाषा से जुड़े अधिकारी ने भाग लिया। बैठक में विभिन्न विभागों/कार्यालयों से प्राप्त आख्या की समीक्षा गयी। इस अवसर पर राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों में डीआरएम, एनईआर, बरेली को प्रथम; भारत तिब्बत सीमा पुलिस-द्वितीय तथा राष्ट्रीय प्रतिदर्श संगठन को तृतीय पुरस्कार जबकि उपक्रम/केन्द्रीय विद्यालय की श्रेणी में केन्द्रीय विद्यालय, पूर्वात्तर रेलवे को-प्रथम, भारतीय जीवन बीमा निगम-द्वितीय तथा केन्द्रीय विद्यालय, वायुसेना को तृतीय पुरस्कार तथा आईवीआरआई को विशिष्ट पुरस्कार मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा प्रदान किये गये।

बैठक में मुख्य अतिथि एवं नराकास के अध्यक्ष प्रधान आयकर आयुक्त बरेली प्रो. श्िशिर अग्रवाल ने कार्यालय अध्यक्षों का आव्हान किया कि वे राजभाषा के लिए दिये गये लक्ष्यों को समय से पूर्ण करें तथा अपनी रिपोर्ट समय से आॅनलाइन अपलोड करें। उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा हमें जोड़ती है यदि हम इसकी प्रगति के लिए और अधिक कार्य करेंगे तो यह उत्तरोत्तर बढ़ती चली जायेगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकता इसको अपनाने की है। उन्होंने सभी उपस्थित गणमान्य लोगों से अधिक अधिक हिन्दी में कार्य करने तथा राजभाषा को बढ़ाने की अपील की। साथ ही उन्होंने पुरस्कार पाने वाले कार्यालयों/उपक्रमों को बधाई दी।

कार्यक्रम के संयोजक एवं समन्वयक संस्थान के निदेशक डा. राजकुमार सिंह ने नराकाश की बैठक को इस संस्थान में आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी के प्रति हमें और अधिक संवेदनशील होना होगा तथा तिमाही हिन्दी रिपोर्ट को प्रस्तुत करते समय उनका क्रास चैक करना जरूरी है क्योंकि गलत आंकड़ों द्वारा रिपोर्ट की समस्या में कठिनाई आती है साथ ही साथ उन्होंने कहा कि छमाही बैठक में कार्यालय अध्यक्षों का उपस्थित होना अनिवार्य है अतः इसके लिए उनको जवाबदेह होना होगा। उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा के लिए प्रतिबद्धता जरूरी है अतः हिन्दी के लिए अपने आप में सुधार कर इसको आत्मसात् करना होगा।

राजभाषा उपनिदेशक गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से पधारे श्री अजय मलिक ने कहा कि 55 में से 44 कार्यालयों ने समय पर रिपोर्ट भेजी हैं जिसके लिये वे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम/प्रशिक्षण आयोजित किये जा रहे हैं अब तो कम्पयूटर पर भी राजभाषा के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसके लिए केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान नई दिल्ली से सम्पर्क किया जा सकता है। उन्होेंने आगे बताया कि सभी कार्यालयों/उपक्रमों में तिमाही बैठक अवश्य ही समय पर होनी चाहिए क्योंकि इसी रिपोर्ट के आधार पर समीक्षा की जाती है। श्री मलिक ने बताया कि भारत सरकार द्वारा "लीला राजभाषा" नामक मोबाइल एप्प जारी किया है जिसके द्वारा भी हिन्दी का ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है इसी तरह एप्पल मोबाइल के लिए आईओएस-12 एप्प है जिसमें हिन्दी में पूर्णविराम, कौमा, तक की सुविधा है। उन्होंने कहा कि तकनीकी स्तर पर राजभाषा हिन्दी के लिए कोई समस्या नहीं है बस जरूरत है इसे अपनाने की। उन्होंने इजराइल का उदाहरण देते हुए कहा कि इजराइल देश ने अपनी भाषा का प्रयोग करके विज्ञान तथा अन्य क्षेत्र में नोबल तथा अन्य पुरस्कार जीते हैं तो हम अपनी भाषा का प्रयोग क्यों नहीं करते। हमें भी विज्ञान के क्षेत्र में अपनी भाषा का प्रयोग करना होगा तथा इसको अपने स्वभाव में लायें हिन्दी की स्वतः ही प्रगति हो जायेगी।

बैठक के सदस्य सचिव एवं सहायक निदेशक (राजभाषा) आयकर विभाग श्री मधुर श्याम कुशवाहा ने बताया कि इस बैठक में 46 कार्यालयों की रिपोर्ट समीक्षा के लिए प्रस्तुत है। उन्होंनंे बताया कि 34 कार्यालयों में राजभाषा का पूर्णतया अनुपालन हो रहा है। नगर राजभाषा कार्यालय में राजभाषा के अनुपालन में सुधार हुआ है अपितु कुछ कार्यालयों/संस्थानों में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने राजभाषा कार्यालयों की स्थिति के बारे में बताते हुए कहा कि 46 कार्यालयों में से 11 कार्यालयों में शत प्रतिशत पत्राचार हिन्दी में किया जा रहा है जबकि 21 कार्यालयों में 80 प्रतिशत से अधिक तथा 3 कार्यालयों में 60 प्रतिशत से कम पत्राचार हिन्दी में किया जा रहा है। उन्होंने सभी को तिमाही रिपोर्ट समय से भेजने तथा वार्षिक कार्यक्रमों को अनिवार्य रूप से लागू करने पर बल दिया।

इससे पूर्व भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान के राजभाषा उपाध्यक्ष श्री विश्व बन्धु चतुर्वेदी ने सभी उपस्थित गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के सहायक श्री एस.पी. सिंह द्वारा किया गया इस अवसर पर विभिन्न कार्यालयों के राजभाषा अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।